प्रेषक,

अतर सिंह, संयुक्त सचिव, उत्तराखण्ड शासन।

सेवा मे.

जिल्<mark>गाधिकारी,</mark> पौडी गढ़वाल।

गृह अनुशाग-5 के सेतम्बर, 2018 विषय:-मृतक राज्य आन्दोलनकारी की पेशन उनकी विधवा पत्नी को दिलाये जाने के संबंध ने।
महोदय,

कृपया, उपर्युक्त विषयक, अपने पत्र संख्या—2114/न्याय एवं विधि(2017—18),दिनांक—09.07. 2018 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा राज्य आन्दोलनकारियों के आश्रितों को पेंशन दिये जाने के सम्बन्ध में दिशा—निर्देश दिये जाने का अनुरोध किया गया है।

2— उक्त सम्बन्ध में अवगत कराना है कि, शासनादेश संख्या—533, दिनांक—01.06.2016 से आच्छादित आन्दोलनकारियों को ₹ 3100 / —प्रतिमाह की दर से उनके जीवन काल के लिये पेंशन अनुमन्य की गयी है। उनकी मृत्यु के उपरान्त आश्रित को पेंशन दिये जाने का प्राविधान शासनादेश में नहीं है। अतः शासनादेश दिनांक—01.06.2016 द्वारा जिन आन्दोलनकारियों की पेंशन अनुमन्य की गई है, की मृत्यु के पश्चात् उनके आश्रितों को पेंशन अनुमन्य नहीं है।

कृपया तद्नुसार अवगत होना चाहें।

भवदीय,

(अंतर सिंह) संयुक्त सचिव।

संख्या:-122/XX(5)/18-44(स्व0सं0से0)/2018, तद्दिनकिंत। प्रतिलिपि:- निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड को उपरोक्तानुसार सूचनार्थ प्रेषित।

2. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(रणजीत सिंह) उप सचिव